Deen Dayal Upadhyaya University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 12 May 2024

Dainik Jagran Page - 02

गोवि में इसी सत्र से शुरू होगा बीफार्म और डीफार्म

डीफार्म व बीफार्म के लिए 60-60 सीटों पर होगा प्रवेश, मंजूरी के लिए विद्या परिषद में प्रस्ताव रखने की तैयारी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: महायोगी गुरु गोरखनाथ चिकित्सा विश्वविद्यालय के बाद दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस इंस्टीट्यूट के जरिये सत्र 2024-25 से ही फार्मेसी में डिप्लोमा व स्नातक पाठ्यक्रम शुरू करने की विश्वविद्यालय की योजना है।

प्रो. सोम शंकर को बनाया निदेशक

इस दिशा में विश्वविद्यालय ने इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी की स्थापना फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के अन्तर्गत होगी। इसके गठन संबंधी प्रस्ताव को विश्वविद्यालय प्रशासन विभाग ने जे. सोम शंकर को निदेशक नियुक्त किया गया है।

इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी के विश्वविद्यालय में कोर्सों का निर्धारण भी कर लिया है। बीफार्म व डीफार्म दोनों कोर्सों की 60-60 सीटों पर विश्वविद्यालय प्रवेश लेगा। पाठ्यक्रम शुरू करने की औपचारिकता पूरी होने पर 24 मई को होने वाली विद्या परिषद में भवन पास भी कर लिया जाएगा। इसी विश्वविद्यालय गेट के करीब बीएड् एवं बीएड् भवन में संचालित किया जाएगा, जिसमें पूर्वांचल विकास बोर्ड को 12 हजार वर्गमीटर का हिस्सा मिला है। इसी सत्र से फार्मेसी की पढ़ाई शुरू करने की योजना है।

बनाए जाएंगे 12 प्रयोगशालाएं, उपकरणों की खरीद शुरू

विश्वविद्यालय फार्मेसी के पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए 12 प्रयोगशाला बनाएगा। पहले चरण की पढ़ाई की शुरुआत होने पर विश्वविद्यालय ने आने वाले दो वर्षों में एक करोड़ रुपये का बजट आवंटित कर दिया था।

विश्वविद्यालय में इसी सत्र से फार्मेसी की पढ़ाई शुरू करने की योजना बनाई गई है। इसको लेकर तैयारी तो प्रक्रिया तय किया जा रहा है। बीफार्म और डीफार्म के लिए सीटें तय निर्धारण की गया है। विद्या परिषद की मंजूरीऔर और फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया से अनुमोदन मिलने के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर देगा।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदयू गोरखपुर विश्वविद्यालय

यह और अन्य खबरें देखें

https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html

Amar Ujala Page - 05

गोरखपुर विश्वविद्यालय : इसी सत्र से शुरू हो जाएगी फार्मेसी की पढ़ाई

डी-फार्मा और बी-फार्मा में होंगी 60-60 सीटें, जल्द हो सकती हैं पीसीआई की विजिट

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से फार्मेसी की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। इसको लेकर तैयारियां काफी तेज हैं। बी-फार्मा और डी-फार्मा के लिए सीटों का निर्धारण हो गया है। इसको जल्द ही विद्या परिषद की बैठक में मंजूरी मिल जाएगी। पीसीआई से अनुमोदन मिलने के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

बी और डी-फार्मा में 60 सीटें

इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के अंतर्गत बीफार्मा एवं डीफार्मा की 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। पहले साल पढ़ाई के लिए छह लैब तैयार किए जा रहे हैं। इसके बाद हर साल एक पाठ्यक्रम 12 कर दिया जाएगा। लैब के लिए जरूरी उपकरणों की खरीद शुरू हो गई है। इसके साथ ही पाठ्यक्रम में संचालित किताबों की खरीदारी की भी शुरुआत हो गई है। बता दें कि फार्मेसी के संचालन के लिए विश्वविद्यालय ने एक करोड़ रुपये का बजट आवंटित कर दिया था।

-प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

प्रो. सोम शंकर बने निदेशक

विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी की स्थापना फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत होगी है। इसके सुचारू संचालन के लिए संस्थान प्रमुख नियुक्त किया गया है। फार्मेसी से जुड़े प्रस्ताव को 24 मई को होने वाली विद्या परिषद की बैठक में भी रखा जाएगा।

अगले सत्र तक तैयार हो जाएगी एक और मंजिल

फार्मेसी की शुरुआत में ये बैच ही होंगे, ऐसे में इनकी संख्या इस भवन में संचालित हो जाएगी। लेकिन अगले सत्र से दो बैच विश्वविद्यालय, पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में एक और मंजिल बनने जा रहा है। अगले साल तक यह तैयार हो जाएगी।

रज्जू बनाने का काम शुरू

इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी के संचालन के लिए विश्वविद्यालय ने परिसर में भवन चयन भी कर लिया है। इसे पूर्वांचल विकास बोर्ड को सौंपा जाएगा। विश्वविद्यालय गेट के करीब बीएड् एवं बीएड् भवन में संचालित किया जाएगा, जिसमें पूर्वांचल विकास बोर्ड को 12 हजार वर्गमीटर का हिस्सा मिला है। इसी सत्र से फार्मेसी की पढ़ाई शुरू करने की योजना है।

टीम का ही सब इंजीनियर

बीफार्मा और डीफार्मा के पाठ्यक्रम के संचालन के लिए विश्वविद्यालय ने फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया को अनुमति मिलने की विश्वविद्यालय प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर देगा।

Inext Page - 02

डीडीयू में इसी सेशन से कर सकेंगे बीफार्मा और डीफार्मा की पढ़ाई

पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में होगा इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी का संचालन

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (11 May): महायोगीगुरु गोरखनाथ चिकित्सा विश्वविद्यालय के बाद दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है. इस इंस्टीट्यूट के जरिये सत्र 2024-25 से ही फार्मेसी में डिप्लोमा व स्नातक पाठ्यक्रम शुरू करने की विश्वविद्यालय की योजना है. इस दिशा में विश्वविद्यालय ने सोटों का संचालन करने के लिए विश्वविद्यालय ने आने वाले दो वर्षों में एक करोड़ रुपये का बजट आवंटित कर दिया था.

बनाए जाएंगे 12 लैब, उपकरणों की खरीद शुरू

विश्वविद्यालय फार्मेसी के पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए 12 प्रयोगशाला बनाएगा. पहले चरण की पढ़ाई की शुरुआत होने पर विश्वविद्यालय ने आने वाले दो वर्षों में एक करोड़ रुपये का बजट आवंटित कर दिया था.

टीम का ही सब इंजीनियर

बीफार्मा और डीफार्मा के पाठ्यक्रम के संचालन के लिए विश्वविद्यालय ने फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया को अनुमति मिलने की विश्वविद्यालय प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर देगा.

रज्जू बनाने का काम शुरू

इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी के संचालन के लिए विश्वविद्यालय ने परिसर में भवन चयन भी कर लिया है. इसे पूर्वांचल विकास बोर्ड को सौंपा जाएगा. विश्वविद्यालय गेट के करीब बीएड् एवं बीएड् भवन में संचालित किया जाएगा, जिसमें पूर्वांचल विकास बोर्ड को 12 हजार वर्गमीटर का हिस्सा मिला है. इसी सत्र से फार्मेसी की पढ़ाई शुरू करने की योजना है.

Amar Ujala Select Page - 05

योग एवं व्यवसाय दोनों में हो सहकारिता : प्रो. हरेंद्र

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ में चल रहे सप्त दिवसीय ग्रीष्मकालीन योग कार्यशाला विषय 'योग एवं आजीविका' में शनिवार को योग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता बीएचयू में वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता प्रो. हरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि व्यवसाय का लक्ष्य है उचित लाभ अर्जित करना तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना। योग एवं व्यवसाय दोनों में सहकारिता होनी चाहिए।

योग प्रशिक्षण डा. विनय कुमार मल्ल द्वारा दिया गया। इसमें लगभग 70 लोगों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि का स्वागत साध शोधपीठ के उप निदेशक डा. कुशलनाथ मिश्र ने किया।

संचालन शोधपीठ के रिसर्च एसोसिएट डा. सुनील कुमार द्वारा किया गया। सहायक निदेशक डॉ. सोनल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान शोधपीठ के सहायक ग्रंथालयी डा. मनोज कुमार द्विवेदी, शोध अध्येता हर्षवर्धन सिंह, डा. कुंवर रणंजय सिंह, प्रिया सिंह, चिन्मयानंद मल्ल आदि उपस्थित रहे। (विज्ञप्ति)

गोवि के छह विभागों को मिले नए विभागाध्यक्ष

गोरखपुर: गोरखपुर विश्वविद्यालय के छह नए विभागों को नए विभागाध्यक्ष मिल गए हैं। प्रो. दिव्या रानी सिंह को गृह विज्ञान विभाग का अध्यक्ष बनाया गया है। वह पहले भी विभागाध्यक्ष रह चुकी हैं। प्रो. मनीष मिश्र इलेक्ट्रानिक्स विभाग, ड., उपेंद्र त्रिपाठी कंप्यूटर विज्ञान विभाग, प्रो. उषा सिंह को ललित कला एवं संगीत विभाग और प्रो. शिवाकांत सिंह को भूगोल विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। (जासं)

Swatantra Chetna Page 02

वि वि के छह विभागों को मिले स्थाई विभागाध्यक्ष

अभी तक सभी छह विभागों के अध्यक्ष का चार्ज सम्बधित डीन के पास था फिलहाल

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर।दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के छह विभागों में स्थाई विभागाध्यक्ष की नियुक्ति कर दी गई है। इन विभागों के अध्यक्ष की जिम्मेदारी फिलहाल सम्बंधित संकाय के डीन के पास थी। विभागों में वरिष्ठता के चक्रानुक्रम में कोई प्रोफेसर या एसोसिएट प्रोफेसर नहीं होने के कारण यह स्थिति उपजी थी। जो नए विभागाध्यक्ष नियुक्त हुए हैं, वे इससे पहले भी यह जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

डीडीयू के वरिष्ठतम एवं उसके उपकुलपति के प्रशासन के मुताबिक कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने स्थाई अध्यक्ष की नियुक्ति पर मुहर लगाई थी। इसे लेकर कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने आदेश जारी कर दिया है। इनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। यह नियुक्ति 2 मई को होने वाली विद्या परिषद की बैठक में भी रखा जाएगा।

इन्हें पुनः मिला विभागाध्यक्ष का चार्ज

प्रो. दिव्या रानी सूद विज्ञान की विभागाध्यक्ष बनाई गई हैं। प्रो. मनीष कुमार मिश्र इलेक्ट्रानिक्स के, प्रो. उषा सिंह ललित कला एवं संगीत, प्रो. शिव कान्त सिंह भूगोल, प्रो. रजीज रहमान उर्दू के और डॉ उपेन्द्र नाथ त्रिपाठी कम्प्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष बनाए गए हैं।

कम्प्यूटर साइंस विभागों के अध्यक्ष का चार्ज फिलहाल डीन साइंस के पास था। उर्दू, ललित कला और भूगोल विभाग के अध्यक्ष का चार्ज डीन आर्ट के पास था।

Hindustan Page 07

डीडीयू में छह प्रोफेसर बने विभागाध्यक्ष

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने छह प्रोफेसरों को अलग-अलग विभागों का अध्यक्ष बनाया गया है. गृह विज्ञान विभाग में प्रो. दिव्या रानी सिंह, इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रो. मनीष मिश्र, कंप्यूटर विज्ञान में डॉ. उपेंद्र त्रिपाठी, ललित कला एवं संगीत विभाग की प्रो. उषा सिंह और भूगोल विभाग में प्रो. शिवाकांत सिंह को अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

डीडीयू: इसी सत्र से शुरू होगी फार्मेसी की पढ़ाई

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 से ही फार्मेसी की भी पढ़ाई होगी। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। विश्वविद्यालय ने सोटों की संख्या को तय कर लिया है। डी फार्मा और बी-फार्मा में 60-60 सीटें होंगी। जल्द ही विद्या परिषद की बैठक में इसे स्वीकृति के लिए रखा जाएगा। पीसीआई से अनुमोदन मिलने के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

-प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

> विश्वविद्यालय में इसी सत्र से फार्मेसी की पढ़ाई शुरू हो गई हैं। विश्वविद्यालय ने सोटों की संख्या को तय कर लिया है। डी फार्मा और बी-फार्मा में 60-60 सीटें होंगी। जल्द ही विद्या परिषद की बैठक में इसे स्वीकृति के लिए रखा जाएगा। पीसीआई से अनुमोदन मिलने के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।
>
> **-प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय**

विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का संचालन पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में होगा। यहां से पूर्वांचल विकास बोर्ड के दफ्तर को हटाकर जीरो सेटर सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया है। अब यह बिल्डिंग पूरी तरह खाली हो गई है। फार्मेसी की बिल्डिंग में इंक्यूबेशन सेंटर के लिए भी जगह छोड़ी जाएगी। फार्मेसी की जरूरत के अनुसार लैब और क्लास रूम का काम शुरू हो गया है। जल्द ही फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की टीम इसका निरीक्षण कर सकती है। उसके हरी झंडी मिलने के बाद विश्वविद्यालय इसके लिए प्रवेश शुरू कर देगा।

Aaj Daily

योग प्रशिक्षण का आयोजन

गोरखपुर। डीडीयू के के महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ में 'योग एवं आजीविका' विषय पर चल रही सात दिवसीय कार्यशाला में शनिवार को योग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता बीएचयू में वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता प्रो. हरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि व्यवसाय का लक्ष्य है उचित लाभ अर्जित करना तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना।

Saiphs Museum Page

साइंस म्यूजियम के तीनों तल पर संचालित होगा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, सुविधाएं जांचने जल्द आएगी टीम

डीडीयू में बीफार्मा की पढ़ाई इसी सत्र से

तैयारी

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में सत्र 2024-25 से ही बीफार्मा और डीफार्मा की भी पढ़ाई शुरू हो जाएगी। साइंस म्यूजियम के तीनों तल पर इसका संचालन होगा। बीफार्मा और डीफार्मा की कुल 60-60 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की टीम कभी भी निरीक्षण कर सकती है। इसे लेकर तैयारियां की जा रही हैं।

दीदयू के साइंस म्यूजियम में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का संचालन होगा है। इसके लिए छात्र प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी। पाठ्यक्रम में संबंधित किताबों की खरीदारी की भी शुरुआत हो गई है।

यूजी और पीजी में प्रवेश के लिए आवेदन जारी

गोरखपुर। महायोगी पीजी कालेज ग्रामोद्योग एवं पर्यावरण के निदेशक प्रो. अनिल सिंह ने बताया कि दीदयू में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से और यूजी में मेरिट के आधार पर प्रवेश लिया जाएगा।

66 बीफार्मा में इसी सत्र से डीफार्मा और बीफार्मा की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। कुल 60-60 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। पीसीआई का निरीक्षण जल्द ही होने वाला है। विद्या परिषद की बैठक में भी इसे रखा जाएगा।

-प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

आफ फार्मेसी की स्थापना फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के तहत होगी है।

फार्मेसी के लिए फिलहाल कुल स्तर लैब बनेंगे। पीसीआई की स्वीकृति के बाद प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी। पाठ्यक्रम से संबंधित किताबों की खरीदारी की भी शुरुआत हो गई है।

रसायन शास्त्र विभाग के प्रोफेसर सोम शंकर दूबे को इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का निदेशक नियुक्त किया गया है। फार्मेसी से जुड़े प्रस्ताव को अगामी 24 मई को होने वाली विद्या परिषद की बैठक में भी रखा जाएगा।

छह विभागों में नियुक्त हुए स्थाई विभागाध्यक्ष

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू के छह विभागों में स्थाई विभागाध्यक्ष की नियुक्ति कर दी गई है। इन विभागों के अध्यक्ष की जिम्मेदारी फिलहाल सम्बंधित संकाय के डीन के पास थी। विभागों में वरिष्ठता के चक्रानुक्रम में कोई प्रोफेसर या एसोसिएट प्रोफेसर नहीं होने के कारण यह स्थिति उपजी थी। जो नए विभागाध्यक्ष नियुक्त हुए हैं, वे इससे पहले भी यह जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

प्रो. दिव्या रानी गृह विज्ञान की विभागाध्यक्ष बनाई गई हैं। प्रो. मनीष कुमार मिश्र इलेक्ट्रानिक्स के, प्रो. उषा सिंह ललित कला एवं संगीत, प्रो. शिवा कान्त सिंह भूगोल, प्रो. रजीज रहमान उर्दू के और डॉ उपेन्द्र नाथ त्रिपाठी कम्प्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष बनाए गए हैं। अभी तक गृह विज्ञान, इलेक्ट्रानिक्स और कम्प्यूटर साइंस विभागों के अध्यक्ष का चार्ज फिलहाल डीन साइंस के पास था। उर्दू, ललित कला और भूगोल विभाग के अध्यक्ष का चार्ज डीन आर्ट के पास था।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने स्थाई अध्यक्षों की नियुक्ति पर मुहर लगाई थी। इसे लेकर कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने आदेश जारी कर दिया है।

Aaj Daily

योग व व्यवसाय दोनों में सहकारिता होनी चाहिए : प्रो. हरेन्द्र सिंह

» गोरखपुर में योग कार्यशाला के दौरान दिन अनुसंधान व व्यवसाय के साथ आजीविका हुए योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

डीडीयू: इसी सत्र से शुरू होगी फार्मेसी की पढ़ाई

योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन कल से

बी.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर प्राणि विज्ञान की प्रायोगिक परीक्षा कल